NOTA वोट

चर्चा में क्यों?

हाल के आम चुनावों में इंदौर में देश में सबसे अधिक **NOTA (इनमें से कोई नहीं) वोट** 2,18,674 दर्ज किये गए।

मुख्य बिंदु:

- इंदौर लोकसभा सीट पर कुल पड़े वोटों में से 16.28% वोट NOTA के खाते में गए।
  - राष्ट्रीय स्तर पर कुल 5,33,705 मतदाताओं ने NOTA (इनमें से कोई नहीं) का विकल्प चुना, जिसमें सबसे अधिक 2,18,674 वोट इंदौर सीट पर दर्ज किये गए।
  - इंदौर में 25.27 लाख मतदाता हैं, जिनमें से 61.75% ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें से 13,43,294 मत वैध पाए गए। इनमें से 16.28% मत NOTA को गए। वर्ष 2019 में इंदौर में 69% मतदान हुआ था, जिसमें 5,045 मतदाताओं ने NOTA का विकल्प चुना था।
- एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त के अनुसार, NOTA का एक **"प्रतीकात्मक" प्रभाव** होता है और **यदि किसी सीट पर इसे 50% से अधिक वोट मिलते हैं, तभी चुनाव परिणामों पर इसे कानूनी रूप से प्रभावी बनाने पर विचार किया जा सकता है।**

NOTA

- NOTA विकल्प **पहली बार वर्ष 2014** के आम चुनावों में पेश किया गया था।
- NOTA का **कोई कानूनी प्रभाव नहीं है,** क्योंकि अगर किसी सीट पर सबसे ज़्यादा वोट NOTA को मिले हों, तो दूसरा सबसे सफल उम्मीदवार जीत जाता है।
- **हरियाणा में NOTA को एक काल्पनिक उम्मीदवार माना गया है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nota-votes